(i) Lecture Series No:- 96.

Online Class
Date - 01/08/2020
Day - Saturday
Time - 10:00 to 10:50 AM

Topic.

(1) Berkeley.

Dr. Sunita Kumari
Depart. of Philosophy,
B.A Part. - I
Paper - II (H.)
A.N.D. College Shahpur
Patory, Samastipur,

Ans:-> Berkely के अनुसार जगत में केवल दो ही प्रकार की सतायें है। एक तो द्रव्य आत्मा और दूसरे प्रत्यय जो कि आत्मा द्वारा प्रत्यक्ष किये जाते है। इनके अतिरिक्त जगत में अन्य कुछ नही है। Locke ने पदार्थ को प्राथमिक और गौण गुण में अन्तर किया और गौण गुणों को मन पर निर्भर मानकर प्राथमिक गुणों को मन के बाहर किसी बाह्य आधार में बतलाया। इस बाह्य आधार को ही वह जड़ पदार्थ कहता है। जब हम किसी भौतिक वस्तु का को देखते हैं तो इस प्र प्रक्रिया में एक और उसके

P.T.O.

(2)

विभिन्न गुणों की संवेदनायें आत्मगत है। दूसरी ओर उसके अस्तित्व की प्रतीति जब हम संवेदनाओं को मन के बाहर से आनेवाली संवेदनाओं का मन के बाहर कोई न कोई आधार आवश्यक होना चाहिए।

इस तरह तर्क के आधार पर Locke जड़ तत्व की स्थापना करता है।
Locke ~~द्वारा~~ द्वारा स्थापित जड़ तत्व की ~~धारणा~~ धारणा का खण्डन करने के लिए Berkeley यह दिखलाता है कि जिन तर्कों के आधार पर Locke ने ~~कुछ गुणों~~ गुणों को गौण गुण सिद्ध किया है। उन्हीं तर्कों के आधार पर तथाकथित प्राथमिक गुणों को भी आत्मगत "etc"

"END"